पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 29.10.2026 को जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति (DWSM) की बैठक जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा नामित मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी, जिसमें निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहे।

S.No	Name	Designation	Department
1	श्री अरूण कुमार उपाध्याय	क्षेत्रीय वनाधिकारी	वन विभाग
2	डा0 आर0एन0 सिंह	अपर मुख्य चिकित्साधिकारी	चिकित्सा
3	श्री सुभाष चन्द्र सरोज	जिला विकास अधिकारी	विकास
4	श्री उदय नरायन पाण्डेय	सहायक अभियन्ता	सिंचाई
5	श्री अरूण बाबू गुप्ता	अधिशासी अभियन्ता	नलकूप
6	श्री सुभाष चन्द्र सरोज	परियोजना निदेशक	डी0आर0डी0ए0
7	श्री संतोष उपाध्याय	बेसिक शिक्षा अधिकारी	शिक्षा
8	श्री सोमप्रकाश गुप्ता	जिला कृषि अधिकारी	कृषि
9	श्री धनपाल सिंह	जिला सूचना अधिकारी	सूचना
10	श्री रामेश्वर दयाल	अधिशासी अभियन्ता	जल निगम (ग्रामीण)
11	श्री नन्दलाल सिंह	डी0सी0	डी0पी0एम0यू
12	श्री राकेश रंजन	सहायक अभियन्ता (वि0/य0)	जल निगम (ग्रामीण)
13	श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह	डी0पी0एम0	टी0पी0आई0 संस्था
14	श्री दीपक शर्मा	प्रोजेक्ट मैनेजर	मेसर्स जी0ए0 इन्का
15	श्री अनूप कुमार सिंह	प्रोजेक्ट मैनेजर	मेसर्स एल0सी0 इन्का
16	श्री उत्पल दूबे	प्रोजेक्ट मैनेजर	मेसर्स के0एल0एस0आर
17	श्री अरूप श्रीवास्तव	टीम लीडर	टी0पी0आई0 संस्था (O&M)
18	श्री अब्दुल्ला आजमी	प्रोजेक्ट मैनेजर	O&M

जल जीवन मिशन योजना से सम्बन्धित निर्मित एवं निर्माणाधीन पेयजल परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गयी।

1–गृह संयोजन (एफएचटीसी)– सी.एम.डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान जनपद मऊ की रैंक 'सी' श्रेणी में प्रदर्शित होने के कारण असहज स्थिति उत्पन्न होती है। जनपद को 'ए' श्रेणी में लाने के लिये गृह संयोजन/नल कनेक्शन (एफएचटीसी) की प्रगति सन्तोषजनक नही पायी गयी। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि विगत माह में 3977 गृह संयोजन की प्रगति बढ़ायी गयी है। 249751 जो 94.46 प्रतिशत की प्रगति थी, बढकर वर्तमान में 253728 हो गयी है जो 95–96 प्रतिशत तक पहुँच गयी है। वर्तमान माह मे भी प्रगति की जा रही है। जनपद मऊ श्रेणी 'सी' से श्रेणी 'बी' में पहुँच गया है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा यह भी बताया गया कि ग्राम 'अमिला' व ग्राम 'सलाहाबाद' दोनों ग्राम नगरीय निकाय में जा चुके है। इन दोनों ग्रामों में (एफएचटीसी) गृह संयोजन की प्रविष्टि संभव नही है, परन्तु दोनों ग्राम पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे है। यदि दोनों ग्राम पोर्टल से हट जायेंगे तो एफएचटीसी की प्रगति का प्रतिशत बढ़ जायेगा। यह भी बताया गया कि उनके स्तर से तीन पत्र प्रेषित किये जा चुके है, परन्तु पोर्टल पर अब भी दोनों ग्राम प्रदर्शित हो रहें है। अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि अधोहस्ताक्षरी के स्तर से पत्रालेख तैयार कर किसी सहायक अभियन्ता को राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन भेजकर निस्तारण कराया जाय।

2–जल निगम की निर्माणाधीन परियोजना की प्रगतिः– अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मऊ में जल निगम (ग्रामीण) से सम्बन्धित तीन परियोजनाएं निर्माणधीन है। जिनमें मसीना, प्यारेपुर, सलामुद्दीनपुर तथा सरवां (परदहाँ) में निर्माण कार्य चल रहा है। तीनों परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गयी।

मसीना पेयजल योजनाः– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया की इस परियोजना के लिये पूर्व में दो अनुबन्ध स्वीकृत किये गये थे, जिसमें एक अनुबन्ध पाइप लाइन के लिये तथा दूसरा अनुबन्ध पानी की टंकी व पम्प हाउस के लिये था। पाइप लाईन कार्य पहले से पूर्ण था, विगत तीन वर्षों से शुद्ध क्लोरीनयुक्त डायरेक्ट पानी की आपूर्ति की जा रही है। पानी की टंकी पूर्ण न होने पर पानी की टंकी के लिये दुबारा अनुबन्ध स्वीकृत किया गया। 30 नवम्बर 2026 तक इस योजना को पूर्ण कर लिया जायेगा।

CamScanner

प्यारेपुरसलामुद्दीनपुर पेयजल योजना– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) अवगत कराया गया कि ट्यूबवेल बोरिंग एवं पम्प हाउस का कार्य पूर्ण हो चुका है। पाइप लाइन डिस्ट्रीब्यूसन का कार्य 60 प्रतिशत तक हो चुका है। पानी की टंकी का कार्य गतिमान है। नल कनेक्शन कार्य भी 60 प्रतिशत तक पूर्ण हुआ है। पूरी परियोजना का 75 प्रतिशत कार्य हो चुका है। 30 नवम्बर 2026 तक परियोजना पूर्ण कर ली जायेगी।

सरवाँ (परदहाँ) पेयजल योजना– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि पानी की टंकी का कार्य नही हुआ है। दो ट्यूबवेल की बोरिंग तथा दोनों पम्प हाउस का कार्य पूर्ण हो चुका है। पाइप लाइन डिस्ट्रीब्यूसन तथा गृह संयोजन (एफएचटीसी) का कार्य पूर्ण नही हुआ है। पाईप लाइन व नल कनेक्शन का कार्य चल रहा है। सितम्बर 2027 तक कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। अधिशासी अभियन्ता जल निगम को गुणवत्ता पूर्ण मानक के अनुसार समय से परियोजना को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

3–वित्तीय रूप से पूर्ण होने वाली योजनाएं:– अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन योजना से कुल 532 पेयजल परियोजनायें शामिल है। वित्तीय रूप से पूर्ण होने वाली योजनाओं की संख्या शून्य है। भौतिक रूप से पूर्ण होने वाली योजनायें वित्तीय रूप से पूर्ण न होने का कारण पूछने पर कार्यदायी संस्थाओं के जिला प्रतिनिधियों द्वारा सन्तोषजनक उत्तर नही दिया गया। भौतिक रूप से 06 माह पूर्व पूर्ण होने वाली योजनाओं को भी वित्तीय रूप से पूर्ण नहीं किया गया है। वित्तीय रूप से पूर्ण होने वाली योजनाओं के सम्बन्ध में सभी कार्यदायी संस्थाओं से लिखित रूप से माईक्रोप्लान लेकर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को नियमित अनुश्रवण किये जाने के निर्देश दिये गये।

4–जल निगम (ग्रामीण) की योजनाओं के आपरेशन एवं मेन्टीनेन्स प्रगति:– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल निगम (ग्रामीण) की कुल 53 पेयजल परियोजनायें पुरानी है , जिसके 124 राजस्व ग्राम आच्छादित है इनके रख–रखाव व अनुरक्षण तथा क्रियाशील किये जाने का कार्य मेसर्स सुधाकरा इन्का प्रा०लि० के द्वारा किया जा रहा है। योजना से आच्छादित 124 ग्रामों में 84 राजस्व ग्राम में पूर्ण रूप से शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति की जा रही है। एक राजस्व ग्राम में पूर्ण रूप से पेयजल की आपूर्ति बाधित है। आंशिक व पूर्ण रूप से बाधित होने का कारण पूछने पर कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि जल निगम की पुरानी योजना होने के कारण पाईप लाइन में लीकेज आपूर्ति बाधित हो रही है। फतेहपुर तालनरजा पेयजल परियोजना का ट्यूबवेल खराब है, जिसके कारण पूर्ण रूप से आपूर्ति बाधित है। संस्था द्वारा बताया गया कि बोरिंग का कार्य चल रहा है। एक सप्ताह में पूर्ण कर यहाँ भी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली जायेगी। सभी ग्रमों मे दिसम्बर तक पेयजल की आपूर्ति पूर्ण रूप से की जायेगी। संस्था तथा अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि नवम्बर माह में व दिसम्बर माह में पूर्ण की जाने वाली योजनाओं का विवरण लिखित रूप से प्राप्त कर तदनुसार पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जाय।

5–रेट्रोफिट योजनाओं की प्रगति:– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत बताया गया कि जल निगम की 15 पेयजल योजनायें रेट्रोफिट में है, जिसमें कुल 45 राजस्व ग्राम आच्छादित है। भौतिक रूप से सभी योजनायें पूर्ण हो चुकी है, जबकि वित्तीय रूप से ग्राम 06 परियोजनायें जिसमें 18 राजस्व ग्राम हैं। 09 परियोजनायें भौतिक रूप से पूर्ण होने के बावजूद वित्तीय रूप से पूर्ण न होने का कारण सन्तोष जनक नही बताया गया।

6–रोड रेस्टोरेशन:– पाइप लाइन बिछाते हुये जिन मार्गो की खुदायी की गयी है उन मार्गों को पूर्व की भाँति व्यवस्थित किया जाना चाहिये। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि कुल 2195 किमी० रोड रेस्टोरेशन का लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें से 2183 किमी० पूर्ण कर लिया गया है। रोड रेस्टोरेशन के लिये 31 अक्टूबर 2026 की डेड लाइन पूर्ण से निश्चित है, निर्धारित अवधि पूर्ण होने में मात्र दो दिन अवशेष है कार्यदायी संस्थाओं के लिये निर्धारित लक्ष्य व पूर्ण करने का विवरण लिखित प्राप्त किया जाय। रोड रेस्टोरेशन के कार्य के सत्यापन हेतु सहायक अभियन्ता/जूनियर इन्जीनियर्स के साथ खण्ड विकास अधिकारियो को भी लगाया जाय। खण्ड विकास अधिकारियों से सत्यापन हेतु अधोहस्ताक्षरी के स्तर से भी पत्र जारी कराये जाने के निर्देश दिये गये।

7–पाईप लाइन:– प्रत्येक घर को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति हेतु शत–प्रतिशत पाइप लाईन गुवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाना आवश्यक है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 7941 किमी० के सापेक्ष 7534 किमी० पाईप लाईन बिछायी जा चुकी है। 407 किमी० पाईप लाइन

CamScanner

डिस्ट्रीब्यूसन का कार्य अवशेष है। प्रत्येक कार्यदायी संस्था का पृथक–पृथक अवशेष कार्य 30 नवम्बर 2026 तक पूर्ण करने का लिखित आश्वासन प्राप्त करते हुये निर्धारित अवधि कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

8–सोलर पैनलः– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 529 परियोजनाओं पर सौर ऊर्जा प्लाण्ट लगाने का लक्ष्य निर्धारित है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 413 पर सौर ऊर्जा प्लाण्ट लगाया जा चुका है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा व मेसर्स के.एल.एस.आर की प्रगति सन्तोषजनक नही है। संस्था के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि जैसे–जैसे योजना पूर्ण हो रही है। उसी कम में प्लाण्ट लगाये जा रहे हैं। सभी संस्थाओं को निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

9–आर.पी.डब्ल्यू.एस.एस.(रूरल पाईप वाटर सप्लाई स्कीम) आईडी क्रियेशनः– अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि जनपद मऊ के पोर्टल पर कुल 1470 राजस्व ग्राम प्रदर्शित हो रहे है। 1463 राजस्व ग्रामों की स्कीम आईडी क्रियेट की जा चुकी है। 07 राजस्व ग्राम पोर्टल पर अवशेष प्रदर्शित हो रहे हैं। 05 राजस्व ग्राम कुर्थीजाफरपुर, बेलचौरा, चमरियाव, बडागॉव, परसपुरा नगरीय निकाय में शामिल हो चुके है। दरगाह व चकगोकुल कुल 02 ग्रामों की मैपिंग नही हुई है। कोई ग्राम अवशेष नही है। प्रगति शत–प्रतिशत पूर्ण है।

10–सर्टीफिकेशनः– कुल 1452 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष मात्र 390 राजस्व ग्रामो का सर्टीफाइड घोषित किया गया है, प्रगति सन्तोषजनक नही है। मेसर्स जी.ए. विश्वनाथ के 120, मेसर्स के.एल.एस.आर के मात्र 16 तथा मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा के 130 राजस्व ग्राम जल निगम की पुरानी योजनाएं, जिसमें सुधाकरा इन्फ्राटेक द्वारा कार्य किया जा रहा है के 124 राजस्व ग्राम सर्टीफाइड घोषित किये गये है। कार्यदायी संस्थाओं के साथ–साथ अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) को सर्टीफाइड ग्रामों की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिये गये। सभी संस्थाओं को मैन पावर में वृद्धि करते हुये मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा व मेसर्स जी.ए.इन्फ्रा को नवम्बर 2026 तक प्रगति 250 राजस्व ग्रामों तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

11–शिरोपरि जलाशय (ओएचटी) टैंकः– शिरोपरि जलाशय के निर्माण की प्रगति सन्तोषजनक नही है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा फेज–2 में सबसे पहले कार्य प्रारम्भ किया गया है। 225 के सापेक्ष मात्र 115 पूर्ण है। जिला प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि 45 पर कार्य चल रहा है। दिसम्बर तक 30 टैंक पूर्ण करने का वादा किया गया है। मेसर्स जी.ए. विश्वनाथ द्वारा फेज–5 मे कार्य प्रारम्भ किया गया है। जिनके 199 के सापेक्ष 190 टैंक पूर्ण कर लिये गये है। मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा 113 टैंक के सापेक्ष मात्र 18 टैंक तैयार किये गये है। 30 नवम्बर तक अतिरिक्त 18 टैंक पूर्ण किये जाने का वादा किया गया है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा व मेसर्स के. एल.एस.आर का कार्य अत्यन्त असन्तोषजनक है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) व संस्थाओं को लिखित आश्वासन लेते हुये 30 नवम्बर तक का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

12–रेगुलर वाटर सप्लाईः– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि 1328 राजस्व ग्रामो के सापेक्ष 729 राजस्व ग्रामों में नियमित शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जा रही है। रेगुलर वाटर सप्लाई वाले राजस्व ग्रामों में आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल समस्या का निराकरण कराया जाता है। पाईप लाईन लीकेज की कभी–कभी समस्या आती है, परन्तु तत्काल ठीक करा दिया जाता है। अधिशासी अभियन्ता तथा कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि विशेष रूप से एक सप्ताह तक किसी भी परियोजना में पेयजल बाधित नही होना चाहिये।

13–कम्प्लेन/आईजीआरएसः– पेयजल परियोजनाओं के निर्माण की गुणवत्ता तथा पेयजल की आपूर्ति से सम्बन्धित जो शिकायतें प्राप्त हो रही है, उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिये। अब–तक 1080 प्राप्त आई.जी.आर.एस. के सापेक्ष 1063 का निस्तारण किया जा चुका है। 17 प्रकरण अनिस्तारित पड़े हुये है। पेन्डिग 17 में से 10 शिकायतें मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ तथा 04 शिकायतें मेसर्स के.एल. एस.आर व 02 शिकायतें मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा से सम्बन्धित है। रख–रखाव एवं अनुरक्षण से सम्बन्धित 12 शिकायतें लम्बित है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि आईजीआरएस से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण करने के समय शिकायतकर्ता का फीडबैक लेकर शिकायतों का निस्तारण किया जाता है। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया।

14–फ्लोराइडः– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) अवगत कराया गया कि फ्लोराइड से प्रभावित दो ग्रामो का पानी दूषित पाया गया। प्यारेपुर सलामुद्दीनपुर में कार्य प्रगति पर है। 15 दिन में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर लिया जायेगा। दूसरा ग्राम सरया (परदहॉ) है। इस परियोजना का टेण्डर निरस्त हो

गया था। नयाटेण्डर स्वीकृत कर नयेसिरे से कार्य प्रारम्भ कराया गया है। यह परियोजना सितम्बर 2027 तक पूर्ण होगी। शुद्ध पेयजल आपूर्ति प्राथमिकता पर कराना सुनिश्चित किया जाय।

15–भूमि विवाद व भूमि की अनुपलब्धता:– अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) अवगत कराया गया कि सहरोज व भावनपुर दो योजनाओं के लिये भूमि उपलब्ध नही हो पायी है। इसके अलावा कतिपय योजनाओं का निर्माण भूमि का विवाद होने के कारण बाधित है। सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क कर निराकरण कराने हेतु सहायक अभियन्ता को नामित किया गया है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) एवं कार्यदायी संस्थाओं को व्यक्तिगत रूप से उपजिलाधिकारी से सम्पर्क कर भूमि विवाद का निस्तारण कराने हेतु निर्देश दिये गये।





बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

Digitally signed by
RAMESHWAR DAYAL
Date: 17-11-2026
15:55:25

अधिशासी अभियन्ता
जल निगम (ग्रामीण),
मऊ

Digitally signed by
Dhruv Khadia
Date: 18-11-2026
11:32:42

मुख्य विकास अधिकारी
मऊ

CamScanner